PG/IIIS/HIN/301/23(Old)

M.A. 3rd Semester Examination, 2023

HINDI

PAPER – HIN-301

Full Marks : 50

Time : 2 hours

The figures in the right hand margin indicate marks

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable

1. निम्नलिखित में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर लिखिए : 4×2

   (*क*) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' के अतिरिक्त पं. हजारी प्रसाद द्विवेदी कृत और दो उपन्यासों के नाम लिखिए ।

   (*ख*) 'मैला आँचल' उपन्यास में वर्णित चार टोलियों के नाम लिखिए ।

   (*ग*) 'रेहन पर रग्घू' उपन्यास के आरम्भ में किस महीने तथा कौन से समय का उल्लेख है ?

(घ) 'मैला आँचल' उपन्यास के पात्र मार्टिन साहब के घोड़े और उनकी पत्नी का नाम बताइए ।

(ङ) "वह एक रुण्ड-मुण्ड पेड़ के पास खड़ा होकर गाँव की ओर देखने लगा.....।" - 'वह' कौन है ? जिस गाँव का ज़िक्र है उसका नाम क्या है ?

(च) "आँख के अंधों और गाँठ के पूरो की तलाश आपको भी उतनी है, जितनी मुझको ।" इसके श्रोता और वक्ता का नाम लिखिए ।

(छ) "यही पैसे है, यही इसका गोदान है ।" –यह उक्ति किसकी और किसके प्रति है ?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के यथानिर्देश उत्तर दीजिए : 5×4

(क) पंडित नोखेराम ने होरी की जमीन पर बेदखली का दावा क्यों कर दिया ? संक्षेप में लिखिए ।

(ख) 'इतने दिनों से साथ हूँ, उसके चरित्र में मैने कहीं कलुष नहीं देखा । वह हँसमुख है, कृतज्ञ है, मोहिनी है, लीलावती है- ये क्या दोष हैं ? मेरा चित्त कहता है कि दोष किसी और

वस्तु में है, जो इन सारे सद्गुणों को दुर्गुण कहकर व्याख्या करा देती है।" –इस अवतरण का निहितार्थ स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'गाँव ही नहीं पास पड़ोस में भी कहीं विवाद होता तो एक पंच के रूप में किसी न किसी पार्टी की ओर से वह भी होते। यह अलग बात है कि वे मामला सुलझाने के बजाय और उलझा कर आते।"

– इस अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(घ) 'उसे बार-बार एहसास होता जैसे बहुत दूर से उसे कोई आवाजें दे रहा है। यह आवाज बिलकुल अपरिचित थी और वह चौंककर बार-बार उठता-बैठता था फिर ऐसी स्थिति हो गई कि उदासी और नींद में भी भेद मिटने लगा।"

– इस अवतरण की ससंदर्भ विश्लेषण कीजिए।

(ङ) 'मैला आँचल' उपन्यास मे आये प्रसंगों के आधार पर बताइये कि नीलयुग का अंत कैसे हुआ ?

(च) धनिया की चारीत्रिक विशेषताएँ लिखिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 8×2

(क) 'गोदान' की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए।

(ख) "मैला आँचल का समूचा कथावृत्त अपनी रोचकता और मार्मिकता में व्याप्त लोकरूपों को आत्मसात किए हुए है।" सप्रमाण उत्तर लिखिए।

(ग) "बाणभट्ट की आत्मकथा अपनी समस्त औपन्यासिक संरचना और भंगिमा में कथाकृति होते हुए भी महाकाव्य की गरिमा से पूर्ण है।" –विवेचन कीजिए।

(घ) "धरती धन न अपना' एक गाँव के बहाने सम्पूर्ण भारतीय ग्रामीण जीवन की व्यथा क्या है।" - इस कथन की पुष्टि कीजिए।

[*Internal Assessment* – **10 Marks**]